सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, मंगलवार, 25 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 88, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला युवक धरा गया... » Pg02

पिछली सरकार की एक जिला एक माफिया नीति को हमने बदला

» Pg12

जस्टिस यशवंत वर्मा गो-बैक के लगे नारे

तबादले के विरोध में हड़ताल पर वकील

कहा- हाईकोर्ट में ऐसे जज को बैठने नहीं देंगे, हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पास किए 11 प्रस्ताव, सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम के निर्णय के खिलाफ सड़क पर उतरने की चेतावनी

आज सुबह से हाईकोर्ट के गेट नंबर 3 पर वकील जमा होने लगे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। वकीलों की मांग है कि जस्टिस वर्मा का तबादला तुरंत रोका जाए।

» प्रयागराज, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादला होने के बाद विवाद उत्पन्न हो गया है। इस तबादले के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। आज मीडियाकर्मियों से बातचीत में बार एसोसिएशन के पदाधिकारी ने कहा कि उनकी मांग को जब तक माना नहीं जाएगा बेमियादी हड़ताल जारी रहेगी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडेय ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा कि यह हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक उनकी डिमांड पूरी नहीं हो जाती। उनका आरोप है कि एक ऐसे जज को, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, इलाहाबाद भेजकर सम्मानित किया जा रहा है।

विक्रांत पांडेय ने कहा, यह संदेश दिया जा रहा है कि दिल्ली ज्यादा साफ-सुथरी जगह है, और वहां ऐसे लोग नहीं रह सकते, लेकिन इलाहाबाद में इसे स्वीकार कर लिया गया। यह हमें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है। अगर न्यायपालिका की शुद्धता पर कोई दाग लगेगा, तो हम इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह विरोध वर्तमान में किसी कोर्ट या जज के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके खिलाफ है जिन्होंने न्यायालय की व्यवस्था को धोखा दिया है। हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों और उस व्यवस्था के खिलाफ है जो पारदर्शी नहीं है। फिलहाल हमारी मांग ट्रांसफर आदेश पर पुनर्विचार करने और उसे वापस लेने की है।

हड़ताल कब तक जारी रहेगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वर्तमान हड़ताल जारी है।

जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक यह अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार रहेगा।

बोले अधिवक्ता- इलाहाबाद हाईकोर्ट कोई प्रयोगशाला नहीं

वहीं, एक अन्य अधिवक्ता दिनेश यादव ने कहा कि इस मुद्दे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा, इलाहाबाद हाईकोर्ट कोई प्रयोगशाला नहीं है, जहां किसी के साथ प्रयोग किया जाए। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां के लोग न्याय व्यवस्था से उच्च उम्मीदें रखते हैं। हम यह नहीं होने देंगे कि इलाहाबाद हाईकोर्ट को इस तरह के फैसलों का गवाह बने। उन्होंने कहा कि वकीलों के विरोध का यह मुद्दा केवल एक जज के तबादले तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वच्छता पर उठते सवालों को भी लेकर है। इस कदम से न्यायपालिका की छवि खराब होती है।

कानपुर: कार खड़ी करने के विवाद में अधिवक्ता की हत्या

बैसाखी से पीट पीटकर उतारा मौत के घाट, पीएसी तैनात

» कानपुर, स्वराज इंडिया संवाददाता।

यूपी के कानपुर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां कार खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में एक अधिवक्ता की बैसाखी मार कर हत्या कर दी गई। पड़ोस में रहने वाले किराएदार ने सोमवार देर रात अधिवक्ता को बैसाखी मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिसके बाद उनके रिश्तेदार उन्हें पास के ही अस्पताल में ले गए। जहां मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पूरा मामला कानपुर के कल्याणपुर इलाके का है। यहां के निवासी राजेश सिंह उर्फ छोटे उम्र 40 साल पेशे से अधिवक्ता हैं। साथ ही राजेश प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी क्षमा सिंह और दो बेटियां स्नेहा और निशि हैं। पत्नी ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला किराएदार धीरज तिवारी आए दिन अपनी दोनों कारों को रास्ते में खड़ा कर देता है। जिससे आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। सोमवार देर रात भी कुछ ऐसा ही हुआ। मैं अपने पति के साथ कार से घर लौट रही थी। रास्ते में दोनों तरफ पड़ोसी की कार खड़ीं थीं। जससे निकलने में परेशानी हुई, तो पति ने दरवाजा खटखटाकर उसे बुलाया। आरोप है कि धीरज ने पहले गाली गलौज की। फिर उसके पति राजेश के सिर पर बैसाखी से प्रहार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। लहुलूहान राजेश नीचे गिर पड़ा। राजेश की ऐसी हालत देख स्वजन घबरा गए और उन्हें आनन-फानन में पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां आज मंगलवार सुबह इलाज के दौरान सिर पर आई गंभीर चोटों की वजह से राजेश की मौत हो गई।

राजेश की पत्नी क्षमा ने बताया कि विवाद की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। फिर धीरज को पकड़कर थाने ले गई। क्षमा ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि रात में हुए विवाद के बावजूद पुलिस ने आरोपित को बिना कार्रवाई के थाने से ही छोड़ दिया। सुबह अधिवक्ता की मौत के बाद हत्या आरोपित कार से भाग निकला। घटना से आक्रोशित राजेश के स्वजन और इलाके के लोगों ने जमकर हंगामा किया। अधिवक्ता की मौत के बाद इलाके का माहौल काफी बिगड़ गया। बवाल की सूचना पर एडीसीपी पश्चिम विजेंद्र द्विवेदी, एसीपी कल्याणपुर अभिषेक कुमार पांडेय के साथ सर्किल का फोर्स मौके पर पहुंच गया। साथ ही इलाके में पीएसी तैनात कर दी गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला युवक धरा गया

» पुलिस ने आरोपी युवक को राढ़ा पुल के पास से गिरफ्तार किया

» बेवा मां की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया था मुकदमा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र में शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म क़ी वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी युवक को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है ।पीड़िता क़ी माँ क़ी तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया था।जानकारी के मुताबिक पीड़िता क़ी माँ बेवा है और वह परिवार चलाने के लिए मजदूरी करती है।आरोप है कि ज़ब उसकी माँ घर से मजदूरी के लिए जाती थी तो आरोपी युवक उसके घर जाता था।

आरोप है कि शादी का झांसा देकर युवक ने उसकी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथकई बार शारीरिक संबंध बनाए। माँ को ज़ब इसकी जानकारी हुई तो बेटी से पूछताछ की गई। पूछताछ में सारी हकीकत सामने आ गई। बताते हैं कि ज़ब पीड़िता की माँ ने आरोपी युवक के परिजनों के घर शिकायत की तो वह गाली-गलौज और मारपीट पर आमादा हो गया।

पीड़िता की माँ ने बिल्हौर थाने पहुंच केस दर्ज कराया। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुटी थी।

पुलिस ने आरोपी युवक निखिल उर्फ़ चुन्नू को बिल्हौर के राढ़ा पुल के पास से गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए जेल भेज दिया।

कानपुर पुलिस का चेकिंग अभियान जारी है....

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए में घंटाघर चौराहे एसीपी आशुतोष कुमार और साथ में कलेक्टरगंज थाना और हरबंस माहौल थाना चेकिंग करते नजर आए । तीन सवारी बाइक को रो कर चालान किया गया और कई को हिदायत भी दी गई।

सरकारी राशन में मौरंग की भारी मिलावट, जिम्मेदार अनजान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति में राज्य के कोटेदार कंट्रोल चलाने वाले लोग भी पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। राशन सुशासन के नाम पर योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2022 में उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी की थी, अब इसी राशन में मौरंग का खेल चल रहा है। कानपुर से एक कोटेदार की जो रिपोर्ट मिल रही है उसके मुताबिक राशन में बड़े पैमाने पर मौरंग और अन्य चीजें मिलाकर उसका वेट बढ़ाया जा रहा है और शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जहां इस भ्रष्ट तंत्र में आम आदमी की कहीं सुनी नहीं जा रही है तो अब शिकायतकर्ताओं ने कानपुर के अंदर भ्रष्ट अधिकारियों के मुंह पर अपनी खबरों से तमाचा जड़ने वाले अखबार स्वराज इंडिया को सटीक इनपुट दिए हैं।

कार्ड धारक महिला ने सरकारी राशन का गेहूं धोया तो दिखी मौरंग

भ्रष्टाचार की चाशनी में नहाए कानपुर के कई कोटेदार बेखौफ मिला रहे गेहूं में मौरंग

कल्यानपुर में अरुण मिश्रा की सरकारी दुकान में परोसी जा रही मौरंग, कोटेदार ने कहा कि ऊपर से ही हो रही मिलावट

पश्चिम कानपुर के कल्यानपुर बारासिरोही वार्ड 19 में कोटेदार अरुण मिश्रा के ऊपर राशन लाभार्थियों ने गेहूं में मौरंग मिलाकर देने का आरोप लगाया है। उनके यहां राशन लेने वाले लोगों के द्वारा जब अपने घरों में गेहूं को धोया गया तो उसमें भारी मात्रा में मौरंग निकली है जिसके वीडियो और फोटो भी उपलब्ध हैं। सबूतों के आधार पर जब स्वराज इंडिया संवाददाता के द्वारा कोटेदार अरुण मिश्रा से संपर्क साधा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि गेहूं में मौरंग ऊपर से आ रही है उन्होंने गेहूं में मौरंग भेजने का आरोप सीधे-सीधे फूड कॉरपोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) पर मढ़ दिया। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि उन्होंने इस विषय की शिकायत लिखित तौर पर डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफीसर (डीएसए) को दी है। जब स्वराज इंडिया की टीम के द्वारा कल्यानपुर क्षेत्र के तमाम कोटेदारों से संपर्क साधकर उनके यहां भी आने वाले गेहूं में मौरंग पाए जाने की पड़ताल की तो उनके द्वारा इस बात को सीधे तौर पर नकार दिया गया। इससे यह सवाल सीधे तौर पर निकल कर आ रहा है कि क्या गेहूं में मौरंग केवल अरुण मिश्रा के कोटे में निकल रही है जबकि जिले के अंदर सभी कोटों में जो गेहूं आता है वह एक ही गोदाम से आता है।

शिकायतकर्ताओं के आरोप, कई बार शिकायत की लेकिन कुछ नहीं हुआ

कपिल सिंह

शिकायतकर्ता कपिल सिंह के अनुसार कोटेदार अरुण मिश्रा लंबे समय से गेहूं में मौरंग मिलाकर दे रहे हैं जब-जब कपिल सिंह के द्वारा इस बात का विरोध किया गया तो कोटेदार अरुण मिश्रा के द्वारा उनके साथ अभद्रता करते हुए यह बात बोल दी गई कि तुमको जो करते बन कर लो हमारा कुछ नहीं बिगाड़ेगा हम लंबे समय से कोटा चला रहे हैं। कपिल सिंह ही वह व्यक्ति है जिन्होंने अरुण मिश्रा के कोटे के अंदर घुसकर वीडियो बनाया जिसमें यह साफ तौर पर नजर आ रहा है कि गेहूं में मौरंग मिली हुई है। कपिल सिंह के द्वारा इस बात की शिकायत आईजीआरएस के तौर पर भी की गई है।इसी तरह से दूसरे शिकायतकर्ता शिवम सिंह कहते हैं कि जब सरकार के द्वारा कोटेदारों को ऐसा तराजू उपलब्ध कराया गया जिसमें घटतौली मुमकिन नहीं है तो कोटेदारों के द्वारा चोरी छुपे गेहूं की बोरी से कई किलो गेहूं निकालकर उतनी ही मात्रा में मौरंग और मिट्टी उसमें मिला दी जाती है और उसी मिलावटी राशन को बांट दिया जाता है।

शिवम सिंह का अरुण मिश्रा पर आरोप है कि उनके द्वारा प्रत्येक राशन लाभार्थी को 2 किलो कम राशन दिया जाता है और जिस बर्तन से यह राशन भरते हैं उस बर्तन की वजह से जब इस राशन की कोटे से बाहर हटकर तौल करी जाती है तो वह डेढ़ किलो और काम निकलता है इस हिसाब से प्रत्येक राशन लाभार्थी को सीधे-सीधे साढ़े तीन किलो राशन अरुण मिश्रा कम दे रहे हैं और उसमें भी मौरंग मिली हुई है।

शिवम सिंह

कानपुर सेंट्रल स्टेशन वर्ल्ड क्लास बनने की ओर अग्रसर

प्रयागराज मंडल से आई एसआईटी टीम ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन का किया निरीक्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रयागराज मंडल उत्तर पूर्वी मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने मुख्यालय से चार अधिकारियों की टीम के साथ कानपुर सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के मुख्य रूप एसआईटी ने यात्रियों की सुविधाओं व आ रही समस्याओं जायजा लिया। स्टेशन के अधिकारियों के प्रेस वार्ता करते हुए उत्तर पूर्वी मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुमणि त्रिपाठी ने बताया कि आज कानपुर सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण के दौरान एसआईटी की टीम ने स्टेशन के पार्सल का निरीक्षण किया।

वहां मिली खामियों को दूर करने के लिए अधिकारियों को आदेश दिया तो वही प्लेटफार्म पर स्टाल पर रखे खानपान की भी जांच की मीडिया द्वारा पानी को लेकर सवाल पूछने पर एसआईटी टीम ने कहा कि रेलवे बोर्ड यात्रियों को ठंडा पानी पीने को मुहैया करा रही हैं अभी एक मशीन प्लेटफार्म नंबर 4 पर लगी हैं धीरे धीरे यह सुविधा पूरे प्लेटफार्म में लागू होगी। वही हम लोग कानपुर सेंट्रल स्टेशन को वर्ड क्लास स्टेशन बनाने जा रहे हैं। वहीं एसआईटी टीम कहा की पार्सल और पूरे स्टेशन को 100 प्रतिशत भारत सरकार की रेल मंत्रालय द्वारा व्यापारियों डिजिटल पेमेंट होना चाहिए यह 30ब है। वो मैने निर्देश दिया है जो कुछ कमियां आती है, जैसे नहीं हो पाती है, जो हमारे व्यापारी है, जो डिजिटल पेमेंट का इस्तमाल नहीं कर रहे हैं, उनसे भी परामर्श करें यूपीआई पेमेंट के लिए लोगो को जागरूक करेंगे। चाहे व्यापारी हो कैटरीन स्टॉल हो जिससे हम 90ब प्राप्त कर पाएंगे। जैसा भारत सरकार रेल मंत्रालय का निर्देश है।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

वातावरण बनाना सरकारी जिम्मेदारी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है,लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति-नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा,स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा।

इंसान के भीतर ही खुशी का मंत्र

रेनू सैनी

वैज्ञानिकों ने हमेशा खुश रहने वाले मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उसकी खुशी के राज को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 साल चली। वैज्ञानिकों ने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति व खुशी को बढ़ाने में मदद करती हैं।खुशी एक ऐसा तत्व है जो अंतर्मन को जाग्रत करने से मिलती है। यह निःशुल्क है लेकिन फिर भी प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए ही दुनिया में लोग लाखों-करोड़ों खर्च करते हैं। उसके बाद भी प्रसन्नता की कोई गारंटी नहीं होती। लोगों का मानना है कि खुशी धन, यश से आती है। धन और यश क्षणिक वस्तुएं हैं। इनसे पूरे जीवन की खुशी प्राप्त करना असंभव है। हमारा मस्तिष्क एक इच्छा पूर्ण होने के बाद ही दूसरी इच्छाओं की पूर्ति में लग जाता है। इस तरह पहली वस्तु प्राप्ति की इच्छा और खुशी समाप्त हो जाती है। जो वस्तु अप्राप्य है उसकी कामना में हृदय मचलने लगता है। यही दुख का कारण बनता है।

इसके अलावा भी दुखी होने के अनेक कारण होते हैं। जब हम काम करते हैं या फिर सामाजिक परिवेश के दौरान कई बार ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जब हम पर शब्दों की मार पड़ती है। शब्दों की तुलना घातक और विषैले बाण से की जाती है। ये शब्द अंतर्मन को आहत कर देते हैं। बौद्ध मत कहता है कि नकारात्मक वाक्यों को तुरंत भुला देना चाहिए। इसके लिए बस यह मंत्र अपनाना चाहिए कि, 'कोई ध्यान न दें।' जब शब्दों पर ध्यान दिया जाता है तभी वह शिला की भांति हृदय में गड़ते प्रतीत होते हैं। उस ओर से ध्यान हटा कर अच्छी बातों को सोचने से तनाव और पीड़ा छूमंतर हो जाती है। कहते हैं कि, 'आठों पवन चलते हों तो भी ज़ेन मन नहीं डिगता।'

बौद्ध विवेक यही है कि स्वयं की वस्तुओं के मोह से दूर होना सीखें। शब्दों के घेरे में भी न घूमें। खुश रहना हमारे शरीर के रसायनों पर निर्भर करता है। शरीर में डेल्टा, थीटा, अल्फा, बीटा और गामा मस्तिष्क तरंगें होती हैं। इनमें से गामा मस्तिष्क तरंगों की आवृत्ति सभी तरंगों से अधिक होती है। गामा तरंगें उच्च स्तर के विचार और ध्यान

से जुड़ी होती हैं। शोध बताते हैं कि यदि मस्तिष्क गामा तरंगों के उच्च स्तर उत्पन्न करता है, तो व्यक्ति अधिक खुश और ग्रहणशील होता है। गामा तरंगों का उच्च स्तर व्यक्ति को एकाग्र, प्रसन्न और कार्यशील स्मृति को अच्छा बनाता है।कभी न उदास होने वाले व्यक्ति हैं—मैथ्यू रिचर्ड। वे दुनिया के सबसे खुश इंसान हैं। उनका जन्म फ्रांस में हुआ था। खुशी की तलाश में उन्होंने फ्रांस को छोड़ दिया। वे तिब्बत पहुंच गए। यहां आकर वे दलाई लामा के फ्रेंच दुभाषिए का कार्य करने लगे। इस दौरान उन्हें बौद्ध धर्म से जुड़ी नई-नई बातें जानने को मिलीं। उन्होंने इस बात को महसूस किया कि किसी भी नकारात्मक बात पर ध्यान न देना बौद्ध विवेक है। अंग्रेजी में एक कहावत भी है कि, 'आउट ऑफ साइट, आउट ऑफ माइंड'। इसका अभिप्राय यह है कि आंखों और मन से ओझल बातों, वस्तुओं और व्यक्तियों को प्रायः भुला दिया जाता है। यदि इसे सकारात्मक तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह बौद्ध विवेक व्यक्तियों की खुशी को जाग्रत करने का सबसे प्रमुख कारण बन सकता है।मैथ्यू ने ध्यान द्वारा अपने मस्तिष्क की गामा तरंगों को अधिक विकसित किया, फलस्वरूप उन्होंने खुश रहने में सफलता प्राप्त की। उनका मानना है कि, 'अब कोई भी बदलाव उन्हें उदास नहीं करता।' विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मैथ्यू के सिर पर 256 सेंसर लगाए ताकि उनके अंदर की हलचल को जाना जा सके। ये रिसर्च 12 सालों तक चली। उन्होंने जाना कि जब भी मैथ्यू ध्यान करते थे तो उनका मस्तिष्क गामा तरंगें पैदा करता था। ये तरंगें ध्यान और स्मृति को बढ़ाने में मदद करती हैं।

गंभीर पहल से ही सुलझेगा मणिपुर संकट

देविन्दर शर्मा

बी.एल. वोहरा

मणिपुर में कानून व्यवस्था पटरी पर लाने को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन जैसे कदम उठाए जिनसे शांति की उम्मीद जगी है। हालांकि वहां समस्याएं राजनीतिक समाधानों से अधिक गहरी हैं। निस्संदेह, मई 2023 में जातीय हिंसा की वजह हाईकोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या से उपजी गलतफहमी थी लेकिन कई अन्य कारण भी हैं।आखिरकार, भाजपा और उसके ज़रिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ समय से मणिपुर में फैली अव्यवस्था को सुलझाने की दिशा में कुछ निर्णायक कदम उठाए हैं। सरकार ने पहले एक अनुभवी नौकरशाह को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया, फिर भाजपा शासित मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को पद छोड़ने को कहा और चार दिन बाद 13 फ़रवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

ये सभी कदम एक साथ और जल्दी-जल्दी उठाए गए। लेकिन काफी वक्त से यह लंबित था। स्वयं भाजपा और राज्य में भाजपा सरकार उम्मीद के विपरीत आस लगाए हुए थी कि 3 मई, 2023 को राज्य में हिंसा शुरू होने के बाद से सरकार ने जो कमज़ोर कदम उठाए हैं, उनसे मामले सुलझ जाएंगे। बीच-बीच में कुछ समय के लिए शांति काल के अलावा लंबे समय तक टकराव अनवरत जारी रहा। इसके चलते मैतेई और कुकी जातियों के बीच संबंध बहुत तनावपूर्ण हो गए।समस्या कई अन्य कारणों से भी बढ़ गई, जिसके विभिन्न पहलुओं पर गंभीर प्रभाव पड़े। दो

कारण भाजपा को ठोस कदम उठाने से रोक रहे थे - एक तो यह कि हम एक लोकतंत्र हैं, दूसरा यह कि राज्य में भी सत्ता उसी दल के पास थी, जिसकी केंद्र में सरकार है। ऐसे राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पार्टी के लिए शर्मिंदगी की वजह बनता क्योंकि इसका मतलब होगा कि खुद अपनी ही पार्टी की सरकार के कामकाज पर सवाल उठना। भविष्य की ओर देखते हुए, बहुत काम किए जाने की जरूरत है। सबसे पहले, समस्या की उत्पत्ति को देखें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके। म्यांमार में सैन्य शासन यानी जुंटा का अपने देश के संपूर्ण भूभाग पर, खासकर मणिपुर सीमा से लगते इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा, हिंसा के कारण, गोल्डन ट्राइंगल नाम से कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय ड्रग व्यापार रूट पर, मुख्य रूप से मोरेह शहर और मणिपुर के क्षेत्र से होकर गुजरने वाला, असर हो रहा था क्योंकि म्यांमार में अफीम की खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी आई थी या विस्तार नहीं हो पाया था। कई कुकी और संबंधित जनजातियां अपने स्थानीय रिश्तेदारों की मदद से मणिपुर में, मुख्य रूप से कुकी बहुल चूड़ाचांदपुर क्षेत्र में आन बसे और उन्होंने मणिपुर में भी अफीम उगाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी इस मुनाफेदार खेती में उनके साथ लग गए।वे सरकार को पीछे हटने को मजबूर करना चाहते थे। उनके सौभाग्य से -और राज्य के दुर्भाग्य से- मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने वाली याचिका पर, मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा आए आदेश की गलत व्याख्या ने परेशानी पैदा करने का एक कारण प्रदान किया।27 मार्च, 2023 को जारी इस आदेश में कहा गया था - राज्य में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर शीघ्रता से विचार किया जाना चाहिए'। इसमें केवल याचिका पर विचार करने के लिए आदेश था, न कि मैतेइयों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए।

आंवला-अदरक रोज़ खाओ, फैटी लिवर दूर भगाओ!

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कई बीमारियां घेर लेती हैं। इन्हीं में से एक समस्या फैटी लिवर की है। बता दें कि खाना ठीक से न पचना, थकान, पेट के ऊपरी सीधे हिस्से में दर्द, ब्लोटिंग, अधिक गैस बनना और उल्टी जैसा महसूस होना आदि फैटी लिवर के लक्षण होते हैं। आमतौर पर अनहेल्दी खानपान, फैट जमा होने और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या होती है। ऐसे में इन लक्षणों को मैनेज करने के लिए व्यक्ति को अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करना चाहिए।

फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने में आंवला और अदरक फायदेमंद हैं। ये लिवर हेल्थ सुधारते हैं, पाचन दुरुस्त रखते हैं और शरीर को डिटॉक्स भी करते हैं। जानें इन्हें अपनी डाइट में कैसे आसानी से शामिल करें

आप खानपान में हेल्दी चीजों को शामिल करने के साथ लाइफस्टाइल से जुड़ी हेल्दी आदतों को अपनाकर फैटी लिवर की समस्या से बच सकती हैं। वहीं फैटी लिवर के लक्षणों को कम करने में अदरक और आंवला भी फायदेमंद होता है और यह लिवर हेल्थ में भी सुधार करता है। ऐसे में आप अदरक और आंवला को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसको डाइट में किस तरह से शामिल कर सकते हैं।

आंवला और अदरक का ऐसे करें इस्तेमाल हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो फैटी लिवर के लक्षणों को मैनेज करने में अदरक और आंवला दोनों ही फायदेमंद होता है। आप इस समस्या से निजात पाने के लिए अदरक को पानी में उबालकर पी सकते हैं। वहीं कच्चा आंवला डाइट में शामिल कर सकती हैं।

आप चाहें तो खाली पेट कच्चे आंवले को काले नमक के साथ खा सकती हैं। आप इसका अधिक फायदा पाने के लिए 1 आंवला, एलोवेरा, आधा इंच अदरक, 1 लहसुन की कली और तुलसी की 4-5 पत्तियों को पानी के साथ ब्लेंड करके पिएं। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी पाया जाता है। यह आपके लिवर को स्वस्थ रखने और इम्यूनिटी को बूस्ट करने में भी फायदेमंद होता है। बता दें कि आंवला लिवर डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ाता है और लिवर में जमा गंदगी को दूर करने में सहायक होता है। आंवले में एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

यह बॉडी में मौजूद इंफ्लेमेशन को कम करता है। वहीं अदरक पाचन तंत्र को मजबूत करता है और गैस और ब्लोटिंग की समस्या को कम करता है। साथ ही अदरक शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करती है।

लहसुन में एलिसिन और सेलेनियम जैसे कंपाउंड पाया जाता है, जो फैटी लिवर की समस्या को कम करने में मदद करता है। लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, तो लिवर की सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में सहायक होता है।

एलोवेरा जूस लिवर हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और इसके एंटी ऑक्सीडेंट्स लिवर सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करते हैं।

तुलसी के पत्ते में हेपाटो प्रोटेक्टिव गुण पाया जाता है, जो लिवर को डैमेज होने से बचाता है। डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

मुल्तानी मिट्टी का रखें ध्यान, न बिगड़े सौंदर्य!

मुल्तानी मिट्टी का करें सही इस्तेमाल, गलत मिश्रण से न खोएं त्वचा का निखार, चमकदार ग्लो और प्राकृतिक सौंदर्य का कमाल!

अपनी त्वचा की देखभाल करना भी काफी जरुरी होता है। आप मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल जरुर करते होंगे, लेकिन इसमें कुछ चीजों को मिलाकर आपकी त्वचा खराब हो सकती है। इससे आपको नुकसान भी हो सकता है, आइए आपको बताते हैं किन चीजों को नहीं मिलाना चाहिए।

मुल्तानी मिट्टी जिसे फुलर अर्थ के नाम से भी जाना जाता है, यह एक प्राकृतिक मिट्टी है जिसका इस्तेमाल त्वचा की देखभाल में व्यापक रूप से किया जाता है क्योंकि इसमें तेल सोखने, सफाई करने और ठंडक देने के बेहतरीन गुण होते हैं। सिलिका और कैल्शियम जैसे खनिजों से भरपूर होते हैं, जो सदियों से आयुर्वेदिक और पारंपरिक सौंदर्य उपचारों में एक मुख्य तत्व बन गया है। घरों में लोग मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक जरुर लगाते हैं। मुल्तानी मिट्टी से प्रयोग हम सभी करते हैं, मुल्तानी मिट्टी में ऐसे इंग्रीडिएंट्स मिला देते हैं, जिससे स्किन खराब हो जाती है। बेकिंग सोडा कभी भी मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बनाने के लिए उसमें बेकिंग सोडा मिक्स नहीं करना चाहिए। बेकिंग सोडा का पीएच 9 होता है, जो स्किन के लिए अल्कलाइन होता है। इसके प्रयोग से आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व इरिटेड स्किन कर देता है।

नींबू का रस

मुल्तानी मिट्टी फेस पैक बनाते समय नींबू का रस नहीं मिलाना चाहिए। क्योंकि नींबू के रस में पीएच काफी मात्रा में पाया जाता है। जिस कारण से एसिडिक होता है। वहीं, मुल्तानी मिट्टी अल्कलाइन होता है। इसलिए इन दोनों को आपस में ना मिलाएं। वरना आपके चेहरे पर रेडनेस की शिकायत हो सकती है।

चीनी या नमक

जब भी आप घर पर मुल्तानी मिट्टी का स्क्रब बना रहे हैं, चीनी या नमक मिक्स ना करें। यह आपकी स्किन को खराब कर सकती है। आपको रेडनेस और जलन के साथ-साथ प्री-मैच्योर एजिंग की शिकायत हो सकती है।

बैटरी डाउन, फोन गरमाए? जासूसी का शक सताए!

फोन के पुराने सॉफ्टवेयर और ऐप्स में कई सिक्योरिटी खामियां हो सकती हैं, जिनका फायदा साइबर अपराधी उठा सकते हैं। इसलिए अपने फोन के सॉफ्टवेयर और सभी ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करते रहें। हर महीने मिलने वाले फसिक्योरिटी पैचफ को इंस्टॉल करें, जिससे फोन की सिक्योरिटी मजबूत बनी रहे।

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। लेकिन इसके साथ ही डेटा चोरी और प्राइवेसी ब्रीच का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। कई बार हमें इसका पता भी नहीं चलता और हम साइबर हमले के शिकार बन जाते हैं। यदि आपका फोन अचानक गर्म होने लगे, बैटरी तेजी से ड्रेन हो या बिना वजह ऐप्स बैकग्राउंड में काम कर रहे हों, तो यह संकेत हो सकते हैं कि आपका फोन स्पाइंग का शिकार हो चुका है।

हालांकि, कुछ सेटिंग्स और सावधानियों को अपनाकर आप अपने स्मार्टफोन को सुरक्षित रख सकते हैं और स्पाइंग को रोक सकते हैं। आइए जानते हैं वे जरूरी कदम, जिनसे आप अपने फोन की प्राइवेसी को सुरक्षित कर सकते हैं। ऐप परमिशन मैनेज करें स्मार्टफोन में कई ऐप्लिकेशन कैमरा, माइक्रोफोन और स्टोरेज का एक्सेस मांगते हैं। कई बार हम बिना सोचे-समझे इन्हें परमिशन दे देते हैं, जिससे ये ऐप्स हमारी बातें सुन सकते हैं और डेटा चुरा सकते हैं।

इसे रोकने के लिए अपने फोन की सेटिंग्स में जाएं और सिक्योरिटी एंड प्राइवेसी के ऑप्शन पर क्लिक करें। वहां से परमिशन मैनेजर में जाकर उन ऐप्स की लिस्ट चेक करें जिन्हें माइक्रोफोन और कैमरा एक्सेस दिया गया है। अनावश्यक परमिशन को तुरंत हटा दें। फोन के पुराने सॉफ्टवेयर और ऐप्स में कई सिक्योरिटी खामियां हो सकती हैं, जिनका फायदा साइबर अपराधी उठा सकते हैं। इसलिए अपने फोन के सॉफ्टवेयर और सभी ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करते रहें। हर महीने मिलने वाले सिक्योरिटी पैच को इंस्टॉल करें, जिससे फोन की सिक्योरिटी मजबूत बनी रहे।

वॉइस असिस्टेंट को बंद करें गूगल असिस्टेंट, सिरी या एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट हमारी आवाज सुनकर कमांड एक्सीक्यूट करते हैं, लेकिन कई बार ये ऐप्स अनजाने में हमारी बातें रिकॉर्ड कर सकते हैं। इसलिए यदि इसकी जरूरत न हो तो इसे सेटिंग्स में जाकर डिसेबल कर दें। इससे वॉइस लिसनिंग का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा।

थर्ड पार्टी ऐप की निगरानी करें

अनजान वेबसाइट या थर्ड पार्टी ऐप स्टोर्स से ऐप्स डाउनलोड करने से बचें। ऐप इंस्टॉल करने के बाद उन्हें केवल वही परमिशन दें जो जरूरी हों। गैरजरूरी एक्सेस को तुरंत ब्लॉक करें। फोन को समय-समय पर रीबूट करें कुछ मैलवेयर फोन की मेमोरी में छिपकर काम करते रहते हैं, जिससे वे बैकग्राउंड में आपकी गतिविधियों की जासूसी कर सकते हैं।

ऐप्स को एक्सेस देने से पहले सोचें, अनावश्यक फीचर्स को डिसेबल करें और हमेशा सतर्क रहें। छोटी-छोटी सावधानियां आपके निजी डेटा को सुरक्षित रखने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

नगर आयुक्त की सख्ती के बाद राजस्व वसूली पर एक्शन तेज

» जोन 1 के अंतर्गत बड़े बकायेदारों से कुर्की वसूली की कार्यवाही की गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम के नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा दिए निर्देशों का अनुपालन सख्ती से किया जा रहा है। सोमवार को 24.03.2025 को जोन 1 के अंतर्गत बड़े बकायेदारों से कुर्की वसूली की कार्यवाही की गई।

कार्रवाई के दौरान भवन संख्या 75/29 से कल डिमांड रु0 7,00,000/- के सापेक्ष रु0 1,00,000/- वसूल किए गए वशिष्ठ धनराशि 28 मार्च तक जमा कराए जाने का आश्वासन मिला। भवन संख्या 77/1 ए(1) से डिमांड रु07,00,000/- के सापेक्ष 2,00,000/- वसूल किए गए वशिष्ठ धनराशि आपत्ती निस्तारण उपरांत

जमा करने का आश्वासन मिला। भवन संख्या 78/43 से डिमांड रु0 5,00,000/- के सापेक्ष रु0 2,00,000/- वसूल किए गए वशिष्ठ धनराशि 28 मार्च तक जमा कराए जाने का आश्वासन मिला। भवन संख्या 77/151 क्यों से डिमांड रु0 1,90,000/- के सापेक्ष 1,90,000/- वसूल किए गए। जोन-1 के अंतर्गत कुर्की कार्यवाही से कुल 6,90,000/- वसूली की गई इसी प्रकार - 4 में भी कार्रवाई की गई ।

जिसमें कई बकायदारों ने जल्द से जल्द पैसा जमा करने की सहमति दी इस पर सील की कार्रवाई रोक दी गई।

पानी गए न उबरे, मोती, मानूस चून...

पानी के बिना प्राणी अस्तित्व नहीं बचेगा, विश्व जल दिवस पर बुद्धिजीवियों ने किया चिंतन, साझा किये विचार, बोले नहीं चेते तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम पीडब्ल्यूए उत्तर प्रदेश की संगोष्ठी में पानी की बर्बादी को रोकने और जल प्रदूषण पर जागरूकता पर सघन अभियान की तैयार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यदि पीने के पानी की उपलब्धता ख़त्म हो जाए तो सोचिये आप कितना समय बिना पानी के बिता सकते हैं ? और उसके बाद क्या होगा ? यह सोचते ही आँखों के सामने अँधेरा छा जाता है। लेकिन यह सत्य है कि बिन पानी सब सून हैं। दुनियां में करीब 2 अरब से ज्यादा लोग स्वच्छ पानी पीने के लिए मोहताज़ रहते हैं। वहीँ कुछ मिनटों में हर दिन अस्वच्छ पानी पीने से 5 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो जाती है। यह आकड़ो से सामने आई दुनिया की हक़ीक़त है। यह बातें विश्व जल संरक्षण दिवस-2025 के मौके पर आयोजित पीडब्ल्यूए की एक संगोष्ठी के दौरान चिंतन के विषय के रूप में उभर कर आईं।

विश्व जल संरक्षण दिवस के मौके पर पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) मुख्यालय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर पानी के संरक्षण और उसकी बर्बादी को रोकने को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर दि न्यू इंडिया इंश्योरेंस के वरिष्ठ क्षेत्रीय अधिकारी अजय सिंह ने कहा कि धरती पर यूँ तो 70 फीसदी पानी है लेकिन इंसानी उपयोग और पीने योग्य पानी की उपलब्धता 1 फ़ीसदी से भी कम है। लगातार पीने योग्य पानी का दोहन और बर्बादी भविष्य की चिंताओं को लेकर सोचने को मजबूर करती है। अतिथि सदस्य सुधीश कुमार यादव ने कहा कि गांवों में नदियों का पानी भी पी लिया जाता था लेकिन अब अधिकांश नदियां भी प्रदूषित हो गयीं हैं। हमारे लिए पुलिस ड्यूटी के दौरान विषम परिस्थितियों में पीने के पानी की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाता है।आज़ाद सिंह चौहान ने कहा कि गाड़ियों की धुलाई और अनुचित जल दोहन के विरुध्द एक जनजागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।वरिष्ठ अधिवक्ता राम जी बौध्द , अधिवक्ता अरुण कुमार और अधिवक्ता अरविन्द यादव ने कहा कि जल को प्रदूषित करना शिक्षिक आरती यादव, आशा यादव और अनामिका भदौरिया ने कहा कि आरओ प्यूरीफायर सिस्टम से पानी की बहुत बर्बादी होती ही इसके स्थान पर प्राकृतिक विधि से पानी शोधन की व्यवस्था अपनानी चाहिए और आरओ के वेस्ट पानी को उपयोग में लाना चाहिए। संगोष्ठी की अध्यक्षता विपिन पटेल ने की। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में संस्था पीडब्ल्यूए के माध्यम से बेसहारा पशु पक्षियों के पीने के लिए चुनिंदा स्थानों पर जल पात्र की व्यवस्था की जाएगी। पीडब्ल्यूए के महासचिव पंकज कुमार सिंह ने कहा कि प्राकृतिक पदार्थों के संरक्षण के लिए सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर सभी को एकजुटता के साथ लोकहित में बड़े स्तर पर जनजागरण शुरू करना चाहिए और इसे संस्थागत कामों का एक शीर्ष विषय बनाना चाहिए। संगोष्ठी में ऑनलाइन माध्यम से राजेश कुमार, सुनील वर्मा, ब्रजेन्द्र वर्मा, आशा यादव, धीरेन्द्र यादव, संध्या सिंह, अर्चना गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ये हैं दुनिया के सबसे साफ पानी वाले देश

एक रिपोर्ट के माद्यम से पीडब्ल्यूए की संगोष्ठी में बताया गया कि दुनिया में पिने के स्वच्छ पानी को लेकर ऑस्ट्रिया, फ़िनलैंड, ग्रीस, आइसलैंड, आयरलैंड, माल्टा, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंगडम देश बेहतर स्थिति में हैं, यहाँ लोग जागरूक हैं और पानी की स्वच्छता के महत्व को समझते हैं। दुनिया में सबसे स्वच्छ पेयजल वाले शीर्ष 10 देश सभी यूरोप में हैं।

साफ पानी को लेकर भारत की स्थिति

पीडब्ल्यूए की संगोष्ठी में यह बात भी सामने आई कि दुनियां के बीच साफ़ पीने के पानी के मुद्दे को लेकर भारत की स्थिति बेहद बुरे दौर में है। इस लिस्ट में हमारे देश का 139 वां स्थान है। वहीं पानी की खपत के मामले में भारत 10वें नंबर पर आता है। इस लिस्ट में पाकिस्तान का नाम 144वें नंबर पर और चीन का नंबर 54वें स्थान पर आता है।

संघर्ष व आन्दोलन से ही सरकारें झुक सकती हैं: एमएलसी राज बहादुर सिंह चंदेल

मूल्यांकन केंद्र अकबरपुर और पुखरायां पहुंचे एमएलसी के साथ शिक्षक नेता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। संघर्ष व आन्दोलन से ही सरकारें झुक सकती हैं, अब समय आ गया है कि शिक्षक समुदाय एक जुट होकर अपने हितो के लिए तैयार हो जाएं, संगठन में शक्ति होती है। यह बात अकबरपुर इण्टर कालेज के मूल्यांकन केन्द्र पर वरिष्ठ शिक्षक विधायक राज बाहुदर सिंह चन्देल नें शिक्षको के बीच कही ।

इस समय बोर्ड की कापिया जांची जा रही है। लगातार मूल्याकन केन्द्रो पर शिक्षक नेता शिक्षको से जनसम्पर्क कर शिक्षको की समस्याये सुनने के साथ आन्दोलन का हुंकार भर रहे हैं। मंगलवार को शिक्षक विद्यायक राज बाहदुर सिह चन्देल ने पुखराया के राजकीय इण्टर कालेज व अकबरपुर इण्टर कालेज में पहुंच कर शिक्षको से मिले । उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती से ही शिक्षको की पेशन व वित्त विहीन का मान् देय व सेवा नियमावली जैसे तमाम लाभ मिल सकते है। वर्तमान सरकार लगातार शिक्षको के हितो की अनदेखी कर रही है।

अब समय आ गया है हम सब एक जुट हो कर एक बड़े आन्दोलन के लिये तैयार हो जाये । मूल्याकन की दरे बढना संघर्ष का ही परिणाम है। शिक्षक सिर्फ शिक्षक संगठन को मजबूत करे और अपने अधिकारो को प्राप्त करे । विडम्बना है कि शिक्षको को दलगत राजनीति से जोड़ने का गलत प्रयास किया जा रहा है। शिक्षा व शिक्षक ही मात्र अपनी एक अलग पहचान रखते है। इसके बचाने की अव आवश्यकता है। उन्होने कहा कि वह शिक्षको के हितो के लिये हमेशा संघर्ष करते रहेंगे । इस मौके पर प्रधानाचार्य भारत सिंह, एस के शुक्ला, रमाकान्त तिवारी, अनिल सिंह, प्रशान्त कटियार, सरोवर सिंह व सोबरन सिंह, सुभाष तिवारी, विनय सिंह, कमल सिंह, अनिल बाजपेयी अनरुद्ध सिंह समेत तमाम शिक्षक नेता मौजूद रहे ।

महिला सशक्तिकरण के तहत किया जागरूक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सरवनखेडा/माती। महिला सशक्तिकरण के तहत मंगलवार को जसवापुर में गजनेर थाना की महिला पुलिस टीम ने गांव की महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। यूपी भारत का ग्रोथ इंजन की थीम पर आयोजित महिला सशक्तिकरण से संबंधित अभियान में महिलाओं को सरकारी योजना ,महिला सुरक्षा संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया गया,

बता दें कि गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जसवापुर में महिला पुलिस टीम के द्वारा घरेलू हिसा से बचने का सही तरीका है। जब भी आपके साथ कोई अप्रिय घटना घटे तो उसको छिपाने के बजाए अपने शुभचितकों को जरूर बताएं। जो महिला किसी बात को लेकर अपने स्वजन से न कह पाती हों वह महिला हेल्पडेस्क नंबर 1076 व महिला कांस्टेबल से अपनी समस्या कहें। कही भी आते-जाते समय कोई छेड़ता हो या पीछा करता हो तो महिलाएं बेझिझक होकर हेल्पलपाइन नम्बर पर सूचना दें। त्वरित कार्रवाई की जाएगी। महिला कांस्टेबल विध्यवासिनी सिंह व सरोज

सिंह ने कहा कि महिलाएं बेफिक्र होकर कहीं भी आएं-जाएं बस उनके अंदर सतर्कता और जागरूकता होनी चाहिए। महिला सशक्तीकरण अभियान चलाकर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है।

सुरक्षा के प्रति जागरूक की गई महिलाएं

महिला सशक्तीकरण एवं नारी सुरक्षा अंतर्गत जसवापुर मे आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सुरक्षा बिदुओं पर जागरूक किया गया। किसी भी अपरिहार्य स्थिति आने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर से सहायता लेने पर जोर दिया गया।महिला पुलिस टीम ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में जागरूक होने की आवश्यकता है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से भी अपनी स्थिति सुधार सकती हैं। उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश के लिए जरूरी है कि छोटी-छोटी घटनाओं को नजर अंदाज न करें। कोई भी स्थिति हो तो अपने स्वजन को इसकी सूचना अवश्य दें। जरूरत पड़ने पर पुलिस की मदद लें।महिला हेल्प डेस्क अधिकारी साधना मौर्या ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज को भी अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा। नारी कोई भी हो, सभी का सम्मान होना चाहिए। बच्चियों अथवा महिलाओं के साथ अगर किसी प्रकार की घटना होती है तो हेल्पलाइन नंबर पर जानकारी देकर पुलिस से सहायता लेनी चाहिए। कार्यक्रम में हेल्प लाइन 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड लाइन आदि के बारे में भी जानकारी दी गईं बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। वही थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि हर ग्राम पंचायत में यह अभियान चलाया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर कसी कमर

» विकास खण्ड अकबरपुर में ग्राम प्रधानों और सचिवों की बैठक हुई सम्पन्न

» जिस ग्राम पंचायत में मौजूद नहीं सफाईकर्मी वहां अतिरिक्त लगेंगे सफाई कर्मी : डीपीआरओ

» एडीओ पंचायत ने सफाई कर्मियों को दिए दिशा निर्देश, रोकथाम को चलाया जा रहा है विशेष अभियान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए सोमवार को ब्लाक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सहायक विकास पंचायत अधिकारी हरिओम सक्सेना ने बताया कि 1अप्रैल से 30 अप्रैल के मध्य आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है जिसमें सफाई कर्मियों के साथ साथ ग्राम पंचायत के सभी जिम्मेदारों को इस आयोजन में भाग लेते हुए संचारी

रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है।

सभी ग्राम प्रधानों को ग्राम निगरानी समिति के माध्यम से कोविड तथा संचारी रोग के विषय में निरन्तर जागरूकता स्थापित करने के साथ-साथ ग्राम स्तर पर साफ सफाई, हाथ धोना, शौचालय की सफाई तथा घर से जल निकासी हेतु जन जागरण के लिए प्रचार प्रसार कर सफल बनाना होगा।साथ ही एडीओ पंचायत हरिओम सक्सेना ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के संबंध में दीवाल लेखन कराकर प्रचार प्रसार करें। जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता फैलाई जा सके, और लोग संचारी रोग की चपेट में आने से बचे रह सके। साथ ही शुद्ध पेयजल प्रयोग तथा मच्छरों के रोकथाम के विषय में भी जानकारी दी गई।विकास खण्ड अकबरपुर सभागार में सफाई कर्मियों की बैठक कर संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु ग्राम पंचायतों

में साफ सफाई रखने और मिशन दस्तक को लेकर चर्चा हुई। जागरूकता अभियान चला कर हर लोगों को जागरूक करने के लिए दीवारों पर लेखन कार्य करने की रूप रेखा तैयार की गई। ग्राम प्रधान व सचिवों का इसकी जिम्मेदारी दी गई। सहायक विकास पंचायत अधिकारी हरिओम सक्सेना ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान1अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा। 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की साफ-सफाई, जल जमाव से निजात के लिए प्रमुखता से कार्य करें। फागिग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव भी समय, समय पर होता रहे। जनजागरूकता के माध्यम से क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया। कहा कि गांवों में डेंगू और मलेरिया से बचने के लिए साफ सफाई जरूरी है। बच्चों का नियमित टीकाकरण कराएं, घर के अगल बगल साफ सफाई रखें, स्वच्छ पेयजल ही पीएं, जल जमाव न होने दें, कुपोषित बच्चों का विशेष ध्यान दिया जाय। साथ ही संचारी रोगों से बचाव के लिए ग्राम स्तर पर जन जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इसमें ग्राम पंचायत सचिव बोस्की शर्मा, नम्रता राव, प्राची सचान, आदि अन्य ग्राम प्रधान ,आशा कार्यकर्ता, सफाई कर्मी आदि बैठक मौजूद रहे।

बरौर थाने में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। नवागत थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी बरौर थाना परिसर में सोमवार को आगामी चैत्र नवरात्रि,रमजान पर्वो को लेकर संभ्रांत नागरिकों संग शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में पर्वो के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई।वहीं अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की बात भी कही गई।बैठक में हिंदू तथा मुसलमान दोनों सम्प्रदाय के लोगों ने हिस्सा लिया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवागत थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि सभी लोग पर्व को शांतिपूर्ण व सद्भावपूर्ण वातावरण में मनाएं।शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस की मदद करें।इस दौरान अराजकता फैलाने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा सके।कानून व्यवस्था कायम रखना पुलिस की प्राथमिकता है।अमन चैन में खलल डालने वालों के विरुद्ध पुलिस सख्त कार्यवाही करेगी।

इस दौरान मिशन शक्ति तथा साइबर सुरक्षा पर भी चर्चा की गई।थाना प्रभारी ने स्पष्ट तौर पर चेताया कि गौकशी जैसे संगीन मामलों में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी साथ ही उन्होंने आम जनमानस से अपील की ऐसे मामलों की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते अपराधियों को सजा मिल सके।उन्होंने कहा कि थाना परिसर में न्याय की उम्मीद के लिए आने वाले प्रत्येक

फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना जाएगा।फरियादी बेहिचक थाने पर आकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।इस अवसर पर एस आई अतेंद्र सिंह,दिनेश मिश्रा,बदरे आलम,नवनीत सचान,संतोष धीरज,इब्ने अब्बास,मो जाकिर,महमूद हसन,विकल प्रधान,हरिओम अवस्थी,राधा सविता,शिवप्रसाद मिश्रा,अबरार अहमद,नरेश चंद्र,संतोष कुमार मिश्रा,मुस्तकीम खान आदि मौजूद रहे।

शादी के15 दिन बाद ही पत्नी ने करा दी पति की हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया । यूपी के औरैया जिले में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 21 वर्षीय युवक दिलीप की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दिलीप की शादी महज 15 दिन पहले 5 मार्च को हुई थी। वह एसएस यादव क्रेन सर्विस चलाता था।

दिलीप 19 मार्च को कन्नौज के उमर्दआ में चल रहे पुल निर्माण कार्य से लौट रहा था। दोपहर करीब डेढ़ बजे उसने अपने बड़े भाई संदीप को घर आने की सूचना दी। इसके बाद, पटना नहर सहार के पास एक होटल पर रुके दिलीप को कुछ बाइक सवार युवक मिले। उन्होंने बंबे में फंसी कार निकालने का बहाना बनाकर दिलीप को अपने साथ ले लिया।

इसके बाद, आरोपियों ने दिलीप पर धारदार हथियार और गोली से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दो दिन से उसका सैफई में इलाज चल रहा था, जहां आज मौत हो गई ।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक औरैया आलोक मिश्रा मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पोस्टमार्टम हाउस में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। युवक की हत्या से लोगों में आक्रोश है।

» 5 मार्च को हुई थी मृतक की शादी

» 2 लाख रुपए में पत्नी ने दी थी बारात वाले दिन ही सुपारी

लखीमपुर खीरी: जिओ के 4जी टॉवर पर चोरों ने बोला धावा...चुरा ले गए केबिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। शहर के खकरा चौराहा रोड पर हाल में ही स्थापित किए गए जीओ 4 जी मोबाइल टावर पर चोरों ने धावा बोल दिया। ताला तोड़कर चोरों ने साइट बंद कर दी और कीमती केबिल चोरी कर ले गए। सदर कोतवाली पुलिस ने साइट टेक्नीशियन विजय कुमार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है।

साइट टेक्नीशियन विजय कुमार ने बताया कि मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड को दूरसंचार मंत्रालय ने 4जी ब्रॉडबैंड वायरलेस एक्सेस सर्विसेज प्रदान किए जाने के लिए लाइसेंस दिया है। मुख्य सचिव के आदेश पर ऑप्टिकल फाइबर केबल एवं मोबाइल टावर की स्थापना का कार्य चल रहा है। सदर कोतवाली क्षेत्र के तहत कंपनी की एनएलडी एजी 2 साइट खकरा चौराहा गोला रोड़ पर है। रविवार की सुबह करीब 03.30 बजे कुछ अज्ञात लोग साइट पर पहुंचे और ताला तोड़कर साइट को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। इससे साइट बंद हो गई। 18 फिट लाल व काले रंग का केबिल भी चोरी कर लिया। इससे लखीमपुर, भंडसडिया, छाउछ, रमुवापुर, सेहरूआ, सलेमपुर, राजापुर आदि क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क बंद हो गया।

कंपनी की 4 जी नेटवर्क की 56 साइट व 5जी नेटवर्क की 36 साइट डाउन हो गईं। इससे 2,95,187 आरआरपी कनेक्टड उपभोक्ता एवं 5,600 फाइबर टू होम के उपभोक्ता प्रभावित हुए। कंपनी को 19,246 जीबी डाटा की क्षति हुई। काफी प्रयास करने पर कई घंटे बाद साइट शुरू हो सकी। उन्होंने इस घटना में किसी संगठित गिरोह के शामिल होने की संभावना जताते हुए सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है

, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक सदर हेमंत राय ने बताया कि टेक्नीशियन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस जांच कर रही है।

पीपीए के चक्कर में उलझकर रह गए गुरु जी!

रिजवान कुरैशी/ स्वराज इंडिया

- सरकारी नीतियों के मकड़जाल में अपनी ही जेब ढीली कर रहे कई टीचर
- बेसिक स्कूलों में आई धनराशि का भुगतान बन गया मुसीबत
- सरकार की मंशा और खड़े हो रहे तरह तरह के सवाल
- भुगतान को आई करोड़ों की धनराशि हर साल हो जाती है वापस

लखनऊ/कानपुर,बिल्हौर। बेसिक शिक्षा परिषद की अजब गजब नीतियों का खामियाजा स्कूलों के टीचरों को भुगतना पड़ रहा है। साल भर तक सरकारी सहायता राशि रोककर रखने वाले विभाग के द्वारा मार्च महीने में वित्तीय वर्ष की समाप्ति से महज कुछ दिन पहले धनराशि भेजी जाती है और उसे निर्धारित समय में पीपीए जैसी एक तकनीकी प्रकिया द्वारा बैंक के सहयोग से पूरा करना होता है। यह प्रक्रिया टीचरों के लिए मुसीबत का सबब बन जाती है। जिसमें कई बार पीपीए फेल होने पर टीचरों को विकास कार्यों का भुगतान अपनी जेब से करना पड़ जाता है।

मालूम हो कि बीते कुछ वर्षों से सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में विद्यालय विकास अनुदान और अन्य खर्चों के भुगतान की नई प्रक्रिया विकसित की है। इस ऑनलाइन प्रक्रिया में सरकारी प्लेटफॉर्म पर जाकर भुगतान के विवरण सहित अप्लाई करना होता है।

इसके बाद एक पीपीए जेनरेट होता है। इस पीपीए को बैंक में जमा करना होता है। इसके बाद बैंक निर्धारित पार्टियों को भुगतान करता है। कई बार तकनीकी खामियों के चलते कई पीपीए रिजेक्ट भी हो जाते हैं। पीपीए के जनरेट होने से भुगतान पूरा होने तक की प्रक्रिया में अधिकतम दस दिन का समय मिलता है। इस समय के दौरान यदि आप पीपीए जेनरेट करने और बैंक से भुगतान करा पाने में सफल नहीं हो पाते हैं तो वित्तीय वर्ष समाप्त हो जाने का कारण बताकर पूरी धनराशि वापस सरकारी खाते में चली जाती है। इसके बाद टीचर के पास हाथ मलने के सिवाय कुछ नहीं रह जाता है। इसके बाद टीचर और विभाग के बीच केवल पत्राचार का दौर चलता है। जिसका परिणाम कुछ नहीं नहीं निकलता।

जीएसटी के चक्कर में मिलता है फर्जी बिलों को बढ़ावा वास्तविकता से आँखें मूंदने जैसा है

एक मोटे आंकड़े के मुताबिक अधिकांश सरकारी स्कूल ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। इनके विकास के नाम पर खर्च करने वाला सामान अधिकांश टीचर ग्रामीण बाजारों से ही खरीदते हैं। जहां पर किसी भी सामान की खरीद पर जीएसटी बिल हासिल करना बहुत टेढ़ी खीर होता है। ऐसे में टीचर जुगाड़ नीति का इस्तेमाल करता है। यानि कि फर्जी ढंग से बिल बनवाता है। जिसमें सामान कहीं और से लिया जाता है और भुगतान कहीं और किया जाता है। जिसमें जीएसटी की एक भारी धनराशि उस दुकानदार को मिलती है जिसने वह सामान बेचा ही नहीं। और जिस दुकानदार ने सामान बेची है वह सरकार को जीएसटी चुकाए बिना ही मालामाल हो रहा है।

जीएसटी बिलों की जांच कराने पर खुल सकता है बड़ा फर्जीवाड़ा

सरकार की इस व्यवस्था ने तमाम वेंडर पैदा कर दिए हैं। जो पक्का जीएसटी बिल देने का दावा करके स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति के रहे हैं। निर्माण के कार्य में भी यही वेंडर लगे हुए हैं। इस कार्य में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की सेटिंग भी किसी से छिपी नहीं है। कई मामलों में अधिकारियों के कारखास टीचर्स को फोन करके निश्चित वेंडर्स से खरीददारी करने के लिए दबाव तक बनाते हैं। निरीह टीचर कुछ भी कहने से डरते हैं। यह वेंडर्स जिस तरह के जीएसटी बिल देते हैं उनकी प्रमाणिकता संदिग्ध लगती है। यदि सही तरह से जांच कराई जाए तो बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ सकता है।

आखिर क्यों बनाई गई भुगतान की जटिल प्रक्रिया

टीचरों के जेहन में हर साल यही सवाल उठता है कि आखिर भुगतान की इतनी जटिल प्रक्रिया क्यों शुरू की गई। जिसमें छोटे छोटे भुगतान के लिए एक अलग पीपीए जेनरेट करना मजबूरी है। और ऐसे में एक मार्च के महीने में बैंकों पर अनावश्यक भीड़ लग जाती है। काम के दबाव में कर्मचारी समय से भुगतान प्रक्रिया पूरी करने से वंचित रह जाते हैं। जिसका सारा ठीकरा टीचर के मत्थे डाल दिया जाता है।

मार्च महीने में ही क्यों दी जाती है धनराशि!

जिस तरह से एकाएक मार्च महीने में सरकार से भुगतान करने की धनराशि मिलती है और उसे तुरंत खर्च करने को कहा जाता है। उससे सरकार की नीयत पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

शिक्षक दबी जुबान से बताते हैं कि कई स्कूलों का पैसा हर साल बिना भुगतान के वापस लौट जाता है और सरकार करोड़ों रुपए का बजट स्कूलों को देने का ढिंढोरा पीटने तक सिमटकर रह जाती है। भला वह पैसा जो आकर वापस लौट गया उसकी गिनती करना कहां तक उचित है।

नगर निगम में पार्षदों की बल्ले-बल्ले, बढ़ गया फंड

महापौर और नगर आयुक्त की निधि में हुई कटौती

आखिर दबाव आ गया काम

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

पार्षदों की एकजुटता व दबाव ने असर दिखाया और महापौर को बजट में वार्ड विकास निधि में बढ़ोत्तरी करनी ही पड़ी। वार्ड विकास निधि 1.5 करोड़ से बढ़ाकर 2.10 करोड़ कर दी गई है। इससे वार्डों में अब विकास के कार्य ज्यादा हो सकेंगे। वहीं महापौर निधि 30 करोड़ से घटाकर 20 करोड़ और जनरल कोटा 25 से 10 करोड़ कर दिया गया है। पैच वर्क का बजट 10 करोड़ ही रखा गया है। कार्यकारिणी की विशेष बैठक में बीते सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 32.70 अरब रुपये के बजट पर मुहर लगा दी गई।

महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय के राजकुमार हॉल में आयोजित बैठक में रामकी कंपनी के रोड स्वीपिंग के काम में भी कटौती कर दी गई। कंपनी को पांच जोन में 3500 किलोमीटर काम दिया गया था। पार्षदों कुछ शर्तों के आधार पर इसका विरोध कर रहे थे। अब कंपनी केवल 1000 किलोमीटर सड़क सफाई का काम ही करेगी। कंपनी जोन 1, 3, 4, 6 और 7 में केवल मुख्य मार्गों पर रोड स्वीपिंग करेगी। गलियों में झाड़ू और नालियों की सफाई का काम कार्यदायी संस्थाएं ही करेंगी। बैठक में कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता सहित सदस्य रणजीत सिंह, अनुराग मिश्रा (अन्नू), मुकेश सिंह (मोंटी), भृगुनाथ शुक्ला, उमेश सनवाल, अनूप कमल, केएन सिंह, सुरेंद्र बाल्मीकि, चरणजीत गांधी, गौरी सांवरिया और शबा अहसन सहित नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, समस्त अपर नगर आयुक्त, चीफ फाइनेंस ऑफिसर, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, समस्त जोनल अधिकारी, जीएम जलकल, चीफ इंजीनियर समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ड विकास में 1.5 करोड़ से पार्षद मार्गों की मरम्मत व नवीनीकरण, नाला व नालियों की मरम्मत, विद्यालय की मरम्मत व निर्माण करा सकेंगे। बढ़ाए गए 60 लाख रुपये में 10 लाख से पैच वर्क, 10 लाख से पुलिया निर्माण व मरम्मत, 10 लाख से पार्कों की रंगाई-पुताई, मरम्मत और सुरक्षा पर खर्च कर सकेंगे। 10 लाख से मार्ग प्रकाश व्यवस्था के तहत स्ट्रीट लाइट लगाने, 5 लाख से हत्थू ठेला खरीद व मरम्मत, 5 लाख से चूना एवं कीटनाशक दवाएं, कूड़ा उठाने के लिए ई-व्हिकल और मृत शरीर के संरक्षण के लिए रेफ्रिजरेटर खरीद सकेंगे। निराश्रितों के शवदाह के लिए मुफ्त लकड़ी की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए 10 लाख से बजट बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये किया है। भाजपा के चौक-कालीजी वार्ड से पार्षद व कार्यकारिणी सदस्य अनुराग मिश्रा अन्नू ने यह प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव का कार्यकारिणी के सदस्यों ने समर्थन किया।

» अब विकास कार्यों के लिए कर सकेंगे मनचाहा खर्च।

» 2.10 करोड़ हुई वार्ड के विकास की निधि।

सहमति से दूसरे वार्ड में कर खर्च कर सकेंगे निधि

वार्ड विकास निधि लैप्स न हो इसके लिए कार्यकारिणी बैठक में नई व्यवस्था की गई है। नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि आपसी सहमति से पार्षद अपनी निधि दूसरे वार्ड में खर्च कर सकेंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया। इससे विकसित वार्डों में बचने वाली निधि से अविकसित वार्डों का विकास कराया जा सकेगा।

इन मदों में हुई बजट में बढ़ोतरी

मरम्मत और कब्रिस्तान - 10 लाख से 1 करोड़। विकास निधि - 231 से 271 करोड़। पार्कों की रंगाई पुताई और मरम्मत - 2 से 6 करोड़। नगर निगम के स्कूलों के निर्माण और मरम्मत - 1 से 5 करोड़। कम्प्यूटराइजेशन ई ऑफिस - 3 से 4 करोड़ रुपये। शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कार्यकारिणी बैठक में 330 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। सफाईकर्मियों के वेतन और कचरा प्रबंधन के लिए 130 करोड़ रुपये की धनराशि रखी गई है। नालों की सफाई के लिए 15 करोड़, डीजल-पेट्रोल पर 20 करोड़ रुपये और प्रकाश व्यवस्था के लिए 48 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

पिछली सरकार की एक जिला एक माफिया नीति को हमने बदला

सीएम योगी ने गिनाई आठ साल की उपलब्धियां

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने पिछली सरकारों की ''एक जिला एक माफिया'' की नीति को ''एक जिला एक मेडिकल कॉलेज'' से बदल दिया है और इससे पूरे राज्य में लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन' के आठ साल पूरे होने पर गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में साल 2017 से अब तक की अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में किए गए विकास पहलों और नीति सुधारों को प्रदर्शित करने के लिए पूरे उत्तर प्रदेश में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ''पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया पैदा किया। आज सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज दिया है, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया है। नए रोजगार का सृजन किया है। कुटीर, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को पुनर्जीवित किया है।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश का एक नया युग आया है और उत्तर प्रदेश अपने नए मूलभूत ढांचे के साथ, सर्वाधिक एक्सप्रेसवे के साथ, सर्वाधिक मेट्रो रेल के साथ, सर्वाधिक रेलवे नेटवर्क के साथ देश में आज अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य का प्रशासनिक ढांचा वही रहा है लेकिन 2017 में सरकार में बदलाव ने उत्तर प्रदेश को पूरी तरह से बदल दिया है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 2017 के पहले गोरखपुर के शहर देश के सबसे गंदे अव्यवस्थित शहर माने जाते थे लेकिन आज 17 शहर स्मार्ट सिटी बने हैं और जन सुविधाओं को बेहतरीन करने की और अग्रसर हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का बेहतर माहौल देने के लिए पुलिस में सुधार किए गए साथ नए पुलिस कमिश्नरेट बनाए गए।

ताजनगरी में भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री के बीच हाथापाई

लोकतंत्र सेनानी चिरंजीलाल की अंतिम यात्रा में हुआ विवाद

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। लोकतंत्र सेनानी चिरंजीलाल की अंतिम यात्रा में भाजपा विधायक डॉक्टर जीएस धर्मेश और पूर्व राज्य मंत्री डॉक्टर रामबाबू हरित के बीच हाथापाई हो गई। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। अर्जुन नगर में सुबह 11 बजे अंतिम यात्रा निकाली जा रही थी। विधायक ने पूर्व मंत्री को साइड में हटने को कहा, इसको लेकर तकरार हुई। गनर और अन्य लोगों ने बीच-बचाव करते हुए दोनों को अलग कराया। विधायक समर्थक शाहगंज थाने पहुंचे।

इस घटना को लेकर पूर्व मंत्री डॉ रामबाबू हरित का कहना है कि लोकतंत्र रक्षक सेनानी चिरंजी लाल कुशवाहा की सब यात्रा के दौरान उनका वह लोग चल रहे थे। विधायक धर्मेश भी साथ में चल रहे थे इस दौरान जीएस धर्मेश ने उन्हें हटाने का प्रयास किया। इसका विरोध करने के दौरान उन्हें हल्का धक्का लग गया था।

सार्वजनिक सूचना

मेरी पुत्री का सही नाम ANZEL SINGH RAJAWAT S/o SANDEEP PRATAP SINGH है। भविष्य में और सभी अभिलेखों में इसी नाम और स्पेलिंग से जाना पहचाना जाए।

संदीप प्रताप सिंह
पुत्र स्व. शिवपाल सिंह
निवासी: ग्राम ततारपुर, पोस्ट हैदरपुर
जिला औरैया (उत्तर प्रदेश)

यूपीएसएसएससी ऑफिस का घेराव करने फिर पहुंचे अभ्यर्थी

2021 परीक्षा के परिणाम न घोषित होने पर नाराजगी

2021 में निकली थी 2406 पदों पर भर्ती

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आरटीआई अनुदेशक की भर्ती का परिणाम न घोषित होने से अभ्यार्थियों में काफी आक्रोशित देखने को मिला। मंगलवार की सुबह लखनऊ स्थित यूपीएसएसएससी कार्यालय का घेराव किया गया। अभ्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया साथ ही जल्द ही परिणाम को जल्द से जल्द घोषित करने की मांग की।

इस मौके पर 150 से अधिक अभ्यर्थी विभूतिखंड स्थित पीआईसी-यूपी भवन पर स्थित यूपीएसएसएससी कार्यालय पहुंचे। सूचना पर भारी संख्या में पुलिस बन मौके पर तैनात किया गया है। अधिकारी लगातार प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से बात करके उन्हें शांत करने का प्रयास कर रहे हैं और जल्द ही इसका समाधान करने का आश्वासन दे रहा है।

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने बताया कि पीईटी 2021 में 2406 पदों पर आरटीआई अनुदेशक की पदों पर भर्ती निकली थी। परीक्षा कब का संपन्न हो गई है। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन भी हो गया है। इसके बाद भी आज तक परिणाम नहीं घोषित किया जा रहा है। हर बार यह कह दिया जाता है कि जल्द से जल्द रिजल्ट घोषित होगा।